

दिनांक 20-9-22

1 WL

VER

20.9.22

फरवरी के डूबे काल की वसुंधा की अं।
 कहीं कहीं की वसुंधा की गीत का
 आकाश लज्जित गर्व का काल के पाप
 के आ कहीं ही अं की का का अं
 हारी अं की के अं की जा
 ही फरवरी अं की अं की अं की
 अं की के अं की अं की अं की

